भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं. *58

गुरूवार, 02 दिसम्बर, 2021/11 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना

***58. श्री इरण्ण कडाडि:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रस्ताव/संस्वीकृत परियोजनाएं है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजनाओं की स्थिति क्या है और सरकार द्वारा कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कितनी-कितनी केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी की गई और इस सम्बन्ध में खर्च की गई निधि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार और वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार को इको-टूरिज्म के विकास और इसे बढ़ावा दिए जाने के सम्बन्ध में विभिन्न राज्य सरकारों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और ऐसा प्रस्तावों की स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

****

देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना के संबंध में दिनांक 02.12.2021 के राज्य सभा के तारांकित प्रश्न संख्या *58 के प्रश्न के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण।**

(क) से (ग): इको पर्यटन सहित पर्यटन का विकास और संवर्धन, मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, देश में ईको-पर्यटन की संभावना को पहचानते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने देश में ईको-पर्यटन के संवर्धन के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए पंद्रह थीमेटिक परिपथों में से एक के रूप में ईको-पर्यटन परिपथ की पहचान की है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्वदेश दर्शन योजना के ईको-परिपथ थीम के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है:-

(रुपये करोड़ में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1.	उत्तराखंड	2015-16	टिहरी-चंबा-सरैण में टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास।	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	2015-16	महबूबनगर जिलों में (सोमासिला, सिंगोतम, कदलीवनम, अक्कामहादेवी, एग्लापांटा, फरहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलाथीरथम) परिपथ का विकास	91.62	87.04
3.	केरल	2015-16	पथनामथिट्टा - गावी- वागामोन- थेक्कडी का विकास।	76.55	61.24
4.	मिजोरम	2016-17	आइजोल- रॉपुइछिप -ख्वाफावप- लेंगपुई- दुर्तलांग- चटलांग- साकावरहमुइतुऐतलांग- मुथी- बेरातलांग-तुइरियल एयरफील्ड- मुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध- मण्डलेश्वर बांध - ओमकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध -	94.61	79.70

			भेड़ाघाट- बाणसागर बांध - केन नदी का विकास		
6.	झारखंड	2018-19	दालमा - चांडिल- गेतलसूद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मिरचैया-नेतरहाट का विकास	52.72	15.07
योग				451.04	358.29

ईको पर्यटन सहित पर्यटन से संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से परियोजनाओं की पहचान की जाती है तथा धन की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई धनराशि के उपयोग के अध्यधीन स्वीकृत की जाती हैं। स्वदेश दर्शन योजना के तहत कर्नाटक राज्य में इको परिपथ के अंतर्गत कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है।

(घ): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ में प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण उपरोक्त तालिका में दिया गया है। वित्त वर्ष 2018-19 के बाद स्वदेश दर्शन योजना में स्वीकृति के लिए कोई नई परियोजना विचाराधीन नहीं है और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को वापस कर दिया गया है।

****